# Daily Current Affairs

Date : 16 January, 2026

## अनुक्रमणिका


| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|---|---|
| 1. | राजस्थान में पहली बार भारतीय थल सेना दिवस का आयोजन |
| 2. | राजस्थान की पहली जैविक ग्राम पंचायत - बामनवास कांकड़ |
| 3. | चर्चा में : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, सूरतगढ़ |
| 4. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स<br>1. हैंडीक्राफ्ट एक्सपो (Artefacts), जोधपुर<br>2. 28वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व<br>3. जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल – 2026<br>4. प्रत्येक संभाग स्तर पर पतंगोत्सव - 2026 का आयोजन<br>5. 'जयपुर मीट्स जुपिटर' का आयोजन<br>6. 69वीं नेशनल स्कूल आर्चरी प्रतियोगिता में राजस्थान<br>7. श्रम, रोजगार एवं उद्योग सचिवों का सम्मेलन : जयपुर<br>8. तीसरी तकनीकी हिंदी संगोष्ठी- अभ्युदय-3 |
| 5. | अमेरिका फर्स्ट नीति एवं बहुपक्षवाद |
| 6. | अन्तर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी – IRENA |
| 7. | वनाग्नि: बढ़ता हुआ आपदा जोखिम |
| 8. | सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड |
| 9. | वॉकर और हैडली परिसंचरण तंत्र |
| 10. | स्वस्तिक पोर्टल (SVASTIK ) |
| 11. | ग्रीन वाल्ड सीमा |
| 12. | परिपूर्ण मेडिक्लेम आयुष बीमा योजना |
| 13. | राष्ट्रीय उद्यमिता अभियान |




उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान परिदृश्य

## राजस्थान में पहली बार भारतीय थल सेना दिवस का आयोजन

### चर्चा में क्यों?

- 15 जनवरी, 2026 को जयपुर स्थित महल रोड पर 78वें भारतीय थल सेना दिवस का आयोजन किया गया।

### मुख्य बिन्दु:

- यह पहली बार है, जब थल सेना दिवस परेड का आयोजन छावनी क्षेत्र से बाहर और राजस्थान में किया गया।
- आर्मी डे परेड में 'ऑपरेशन सिंदूर' एवं अन्य सैन्य अभियानों में वीरता का प्रदर्शन करने वाले सूबेदार मेजर पवन कुमार, हवलदार सुनील कुमार सिंह, लांस नायक दिनेश कुमार, लांस नायक सुभाष कुमार और लांस नायक प्रदीप कुमार को मरणोपरांत 'सेना मेडल (गैलेंट्री)' से सम्मानित किया गया।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- 2025 के थल सेना दिवस की मुख्य परेड का आयोजन पुणे (महाराष्ट्र) में किया गया था।
- आर्मी डे परेड (सेना दिवस परेड) का आयोजन फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा के भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण करने की स्मृति में किया जाता है।

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:**

**नो योर आर्मी (अपनी सेना को जानें) प्रदर्शनी :**

- **आयोजन :** 08 से 12 जनवरी, 2026 तक।
- **आयोजन स्थल :** भवानी निकेतन शिक्षा समिति, जयपुर।

**शौर्य संध्या कार्यक्रम:**

- **आयोजन :** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुख्य आतिथ्य में सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में।
- **विषयवस्तु :** भारतीय सेना-शौर्य एवं बलिदान की परंपरा।
- **100वाँ नमन सेंटर :** रक्षा मंत्री ने 'प्रोजेक्ट नमन' के तहत सूरतगढ़ में 100वें नमन सेंटर का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। प्रोजेक्ट नमन भारतीय सेना की एक पहल है, जिसका उद्देश्य रक्षा पेंशनभोगियों, पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिवारों को सहायता और शिकायत निवारण तंत्र प्रदान करना है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान की पहली जैविक ग्राम पंचायत - बामनवास कांकड़

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, कोटपूतली-बहरोड ज़िले की बामनवास कांकड़ ग्राम पंचायत को राजस्थान की पहली पूर्णतः जैविक-प्रमाणित पंचायत घोषित किया गया।

## मुख्य बिन्दु:

- बामनवास कांकड़ ना केवल राजस्थान की बल्कि उत्तर-पश्चिम भारत की भी पहली पूर्णतः जैविक पंचायत है। यह पंचायत रासायनिक मुक्त खेती और पारिस्थितिक पशुपालन को अपनाकर टिकाऊ कृषि की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है।
- इस पंचायत को कोफार्मिन फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनिक सोसाइटीज एंड प्रोड्यूसर कम्पनीज (COFED) का तकनीकी और संस्थागत सहयोग मिला।
- बामनवास कांकड़ पंचायत को नेशनल प्रोग्राम फॉर ऑर्गेनिक प्रोडक्शन (NPOP) मानकों के तहत यह दर्जा दिया गया है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

### हालिया चर्चित राजस्थान की अन्य प्रमुख ग्राम पंचायतें:

- **सवाईपुरा (पाली) :** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत 'काउंसिल ऑफ़ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (CSIR)' द्वारा पाली जिले के सवाईपुरा गाँव से 'स्मार्ट विलेज मिशन मोड प्रोजेक्ट' का शुभारंभ किया गया।
- **पिंडावल (डूँगरपुर) :** पंचायती राज मंत्रालय द्वारा जारी 'पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (PAI)' में राज्य में पहले पायदान पर।
- **खैराबाद (कोटा) :** प्रदेश का पहला स्टील बर्तन बैंक 23 मार्च, 2025 को स्थापित।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# चर्चा में : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, सूरतगढ़

## चर्चा में क्यों?

- जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए 26वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता (2024–25) में श्रीगंगानगर के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, सूरतगढ़ ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

## मुख्य बिन्दु:

- विद्यालय की इस उपलब्धि हेतु केंद्रीय कानून मंत्री द्वारा संसदीय मैरिट शील्ड और ट्रॉफी प्रदान की गई।
- संसदीय कार्य मंत्रालय पिछले 29 वर्षों से जवाहर नवोदय विद्यालयों में युवा संसद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है।
- जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता योजना के तहत 26वीं प्रतियोगिता वर्ष 2024-25 के दौरान नवोदय विद्यालय समिति के भारतभर में फैले 8 क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले 88 विद्यालयों के बीच आयोजित की गई थी।
- युवा संसद योजना का उद्देश्य युवा पीढ़ियों में आत्म-अनुशासन, विविध विचारों के प्रति सहिष्णुता, अपने विचारों की सही अभिव्यक्ति और लोकतांत्रिक जीवन शैली के अन्य गुणों को विकसित करना है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# न्यूज़ इन शॉर्ट्स

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|---|---|
| 1. | **हैंडीक्राफ्ट एक्सपो (Artefacts), जोधपुर**<br>■ **आयोजन :** 15 से 19 जनवरी, 2026 तक।<br>■ **आयोजक :** एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट।<br>■ **उद्देश्य :** एक ऐसा B2B और B2C मार्केटप्लेस विकसित करना, जो भारतीय हैंडीक्राफ्ट्स को बढ़ावा दे और बिज़नेस कनेक्शन बनाने में मदद करें।<br>■ **नोट :** राजस्थान सरकार द्वारा पंच गौरव कार्यक्रम के तहत् जोधपुर के वुडन फर्नीचर को पंच गौरव में शामिल किया गया है। |
| 2. | **28वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व**<br>■ नई दिल्ली के संविधान भवन में आयोजित राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया।<br>■ सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। |
| 3. | **जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल – 2026**<br>■ **उद्घाटन :** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 जनवरी, 2026 को 'जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल – 2026' का उद्घाटन किया।<br>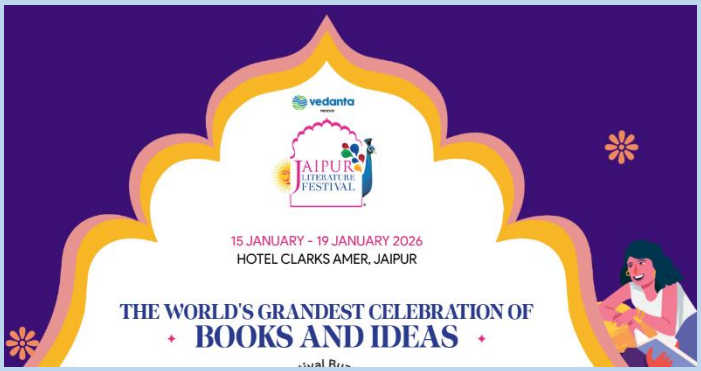<br>■ **आयोजन :** 15 से 19 जनवरी, 2026 तक।<br>■ **आयोजक :** टीमवर्क आर्ट्स द्वारा जयपुर विरासत फाउंडेशन के सहयोग से।<br>■ **मुख्य प्रायोजक :** वेदांता। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

| | |
|---|---|
| 4. | **प्रत्येक संभाग स्तर पर पतंगोत्सव - 2026 का आयोजन**<br> <br>■ राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से पहली बार राजस्थान के सातों संभागों में 'पतंगोत्सव - 2026' का आयोजन किया गया।<br>■ **आयोजन :** 14 जनवरी, 2026 को मकर संक्रांति के अवसर पर।<br>■ **सात संभाग :** जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर और भरतपुर। |
| 5. | **'जयपुर मीट्स जुपिटर' का आयोजन**<br>■ हाल ही में, राजस्थान की पहली स्पेस एजुकेशन कंपनी ओज़ोन स्पेस द्वारा 'जयपुर मीट्स जुपिटर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।<br>■ **आयोजन :** राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC), जयपुर।<br>■ ओज़ोन स्पेस राजस्थान की पहली समर्पित स्पेस एजुकेशन कंपनी है, जो देशभर में ऑनलाइन और ऑफलाइन स्पेस एवं एस्ट्रोनॉमी क्लासेस के माध्यम से विज्ञान को आम लोगों तक पहुँचाने का कार्य करती है। |
| 6. | **69वीं नेशनल स्कूल आर्चरी प्रतियोगिता में राजस्थान**<br>■ झारखंड के राँची में आयोजित 69वीं नेशनल स्कूल आर्चरी प्रतियोगिता में राजस्थान ने 5 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 8 पदक जीते।<br>■ **आयोजन :** 6 से 10 जनवरी, 2026 तक। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

| | |
|---|---|
| 7. | **श्रम, रोजगार एवं उद्योग सचिवों का सम्मेलन : जयपुर**<br>■ 14 और 15 जनवरी, 2026 को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जयपुर में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम, रोजगार एवं उद्योग सचिवों के क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।<br>■ यह सम्मेलन मंत्रालय द्वारा देश भर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जा रही पाँच क्षेत्रीय सम्मेलनों की श्रृंखला का दूसरा सम्मेलन है।<br>■ **भागीदार :** उत्तर-पश्चिमी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम और उद्योग सचिव।<br>■ **उद्देश्य :** चार नई श्रम संहिताओं के सुगम क्रियान्वयन, वेब-आधारित निरीक्षण प्रणाली और सामाजिक सुरक्षा का सार्वभौमीकरण सुनिश्चित करना। |
| 8. | **तीसरी तकनीकी हिंदी संगोष्ठी- अभ्युदय-3**<br>■ 5 और 6 जनवरी, 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (CSIR–NIScPR) द्वारा तीसरी तकनीकी हिंदी संगोष्ठी- अभ्युदय-3 का आयोजन किया गया।<br>■ **आयोजन स्थल :** इंदौर (मध्य प्रदेश)।<br>■ **उद्देश्य :** तकनीकी हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की पहुँच समाज के व्यापक वर्गों तक विस्तारित करना। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

## अमेरिका फर्स्ट नीति एवं बहुपक्षवाद

### चर्चा में क्यों?

- अमेरिका ने अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत् राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए स्वंय को 31 संयुक्त राष्ट्र निकायों सहित 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अलग कर लिया है।

### मुख्य बिन्दु:

- **कारण:** अमेरिका फर्स्ट नीति, संप्रभुता चिंताएँ, वैश्विकतावादी एजेंडे का विरोध और धन की बचत।

| क्षेत्र | संगठन, जिनसे अलग हुआ | संभावित परिणाम |
|---|---|---|
| संयुक्त राष्ट्र संधियाँ | 1. जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC)<br>2. जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय पैनल (IPCC) | 1. वर्ष 2017 में UNESCO से अमेरिका का अलग होना, जिससे संगठन में 22 प्रतिशत फंडिग की कमी हुई।<br>2. स्वास्थ्य, जलवायु, विस्थापन और संघर्ष निवारण में वित्त की कटौती। |
| जलवायु, पारिस्थितिकी एवं जैव विविधता | 1. अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)<br>2. प्रकृति संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ (IUCN) | 1. UNFCCC हटने से अमेरिका की (जो कि सबसे बड़ा संचयी $CO_2$ उत्सर्जक; 24%) कानूनी रूप से बाध्यता कम हो गई है। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

| | | |
|---|---|---|
| | 3. जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतरसरकारी विज्ञान-नीति मंच (IPBES)<br>4. वनों की कटाई और वन क्षरण से होने वाले उत्सर्जन को कम करने पर संयुक्त राष्ट्र का सहयोगात्मक कार्यक्रम (REDD+)<br>5. संयुक्त राष्ट्र ऊर्जा<br>6. खनन, खनिज, धातु और सतत् विकास पर अंतरसरकारी मंच | 2. विकासशील देशों की स्थिति जोखिमपूर्ण, क्योंकि यह सबसे बड़े (वर्ष 2024 वैश्विक $CO_2$ का 12.7 प्रतिशत उत्सर्जन) $CO_2$ उत्सर्जक देश है।<br>3. वित्त पोषण में कमी (लगभग 310 से 365 अरब डॉलर)।<br>4. उत्तर-दक्षिण विश्वास में विषमता।<br>5. सतत् विकास के समक्ष चुनौती। |
| जनसांख्यिकी एवं व्यापार | 1. संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA)<br>2. अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान (IDEA)<br>3. विश्व व्यापार संगठन (WTO) | 1. स्वास्थ्य, जनसंख्या डेटा, लैंगिक समानता एवं शिक्षा में वित्त की कमी।<br>2. व्यापार प्रतिस्पर्धा व अमेरिकी उद्योगों को खतरा।<br>3. UNFPA को वर्ष 2017 से अमेरिकी वित्त सहयोग नहीं मिलने के कारण अफ्रीका व एशिया में UNFPA कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

| | | |
|---|---|---|
| सुरक्षा | 1. वैश्विक आतंकवाद विरोधी मंच (GCTF)<br>2. शांति निर्माण कोष<br>3. शांति निर्माण आयोग | 1. अस्थिरता, असुरक्षा, अलगाव, आतंकवाद और परमाणु प्रतिस्पर्धा में वृद्धि।<br>2. चीनी प्रभाव में बढ़ोत्तरी<br>3. बहुपक्षवादी में कमी |

## बहुपक्षीय संस्थाओं से पीछे हटने पर भारतीय प्रतिक्रिया

1. जलवायु संगठनों का नेतृत्व (ISA; अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, CDRI; आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन) और एजेंडा निर्धारण में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।
2. भारत को जलवायु वित्तपोषण के वैकल्पिक उपायों को सुरक्षित करना अर्थात् भारत को अन्य दाताओं (यूरोपीय संघ, जापान, ब्रिटेन और नॉर्डिक देश) के समझ परियोजना को प्रस्तुत कर जलवायु वित्तपोषण में विविधता लानी होगी।
3. **कार्बन मुक्त लक्ष्य :** भारत को राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (वर्ष 2023) और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना में तेजी लाकर इस्पात, सीमेंट और एल्युमिनियम जैसे प्रमुख निर्यात क्षेत्रों को कार्बन मुक्त करना होगा।
4. भारत को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में निवेश करना चाहिए।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# अन्तर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी – IRENA

## चर्चा में क्यों?

- IRENA सभा का 16 वाँ सत्र संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में संपन्न हुआ। इसमें IRENA की मध्यम अवधि रणनीति 2023-2027 मूल्यांकन और कार्यक्रम को अपनाया गया।

## मुख्य बिन्दु:

- इस सत्र से पूर्व IRENA और अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने संयुक्त रूप से नवीकरणीय ऊर्जा एवं नौकरियाँ वार्षिक समीक्षा-2025 रिपोर्ट जारी की है।

### भारत से संबंधित निष्कर्ष

- **वैश्विक रैंकिंग:-** सौर फोटोवोल्टिक और जल विद्युत संबंधि नियोजन में चीन के बाद दूसरा स्थान। तरल जैव ईंधन और पवन ऊर्जा संबंधी नियोजन में चौथा स्थान।
- **सौर विनिर्माण:-** वैश्विक फोटोवोल्टिक मॉड्यूल विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी 4.8% है। 42% हिस्सेदारी के साथ गुजरात फोटोवोल्टिक मॉड्यूल विनिर्माण में अग्रणी राज्य है। इसके बाद तमिलनाडु (11%) का स्थान है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

## वनाग्नि: बढ़ता हुआ आपदा जोखिम

### चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2025 की आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर वैश्विक मूल्यांकन रिपोर्ट-2025 के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वनाग्नि के कारण लगभग 106 बिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है।

### मुख्य बिन्दु:

**वनाग्नि क्या है-**

- **खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)-** वनस्पति में लगने वाली कोई भी अनियोजित और अनियंत्रित आग, जो सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय मूल्यों पर नकारात्मक प्रभाव डालती है और जिसके लिए सरकारी नीति के अनुसार शमनकारी प्रतिक्रिया या अन्य कार्यवाही की आवश्यकता होती है, उसे वनाग्नि या वाइल्ड फायर कहा जाता है।

**वनाग्नि में वृद्धि के कारण:-**

1. **जलवायु परिवर्तन-** तापमान वृद्धि, दीर्घावधि सूखा, बिना वर्षा के लाइटनिंग।
2. **भूमि उपयोग परिवर्तन:-** वनों की कटाई, एकल फसली कृषि, पीट भूमि से जल निकासी।
3. **मानवीय कारक:-** झूम/स्थानान्तरित कृषि।
4. **ईंधन की उपलब्धता:-** सूखी घास, पत्तियाँ, झाड़ियाँ

**वनाग्नि नियंत्रण के लिए भारत की पहलें:-**

1. **वनाग्नि पर राष्ट्रीय कार्ययोजना**
2. **वनाग्नि चेतावनी प्रणाली-** (भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा)
3. **वन अग्नि जियो पोर्टल-** एकल बिन्दु के रूप में कार्य
4. **सामुदायिक भागीदारी-** संयुक्त वन प्रबंधन समितियों तथा पारिस्थितिकी विकास समितियों के माध्यम से।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

## चर्चा में क्यों?

- सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SECI) ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ वित्त वर्ष 2024-25 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के मामले में प्रदर्शन के लिए "उत्कृष्ट" रेटिंग हासिल की है।

## मुख्य बिन्दु:

- यह मूल्यांकन वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान SECI के प्रभावी संस्थागत प्रदर्शन के अपने तय लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने को दर्शाता है।
- समझौता ज्ञापन मूल्याकंन में SECI ने 100 में से 97.36 का स्कोर प्राप्त किया है, जो इसकी संचालन दक्षता, शासन मानकों और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में 'इसके योगदान को रेखाकिंत करता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड:-

- **स्थापना:** वर्ष 2011 (गैर लाभकारी कंपनी के रूप में) तथा वर्ष 2015 में वाणिज्यिक कंपनी में परिवर्तन।
- **परिचय :** केन्द्र सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक नवरत्न उद्यम है।
- 31 दिसंबर, 2025 तक 76GW से अधिक की कुल नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का दायित्व दिया गया था, जबकि हस्ताक्षर किए गए ऊर्जा बिक्री के समझौते की क्षमता 60GW को पार कर गई है।
- वर्ष 2024- 25 के दौरान सालाना ऊर्जा व्यापार में 18.48% की बढ़ोत्तरी दर्ज की, जिसमें 50.87 बिलियन यूनिट्स का व्यापार हुआ है।
- **मंत्रालय:** नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन, जो देश में नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर केन्द्रित है।
- सरकार की नोडल एजेंसी में नियुक्त किया गया है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# भूगोल

## वॉकर और हैडली परिसंचरण तंत्र

### चर्चा में क्यों?

- पूर्वी मध्य और दक्षिण भारत में कड़ाके की ठण्ड महसूस की जा रही है। इसे ला नीना के कारण वॉकर और हैडली परिसंचरण तंत्रों के मजबूत होने से संबंद्ध किया जा सकता है।

### मुख्य बिन्दु:

#### वॉकर परिसंचरण तंत्र

- **प्रकार:** यह उष्ण कटबंधीय प्रशांत महासागर के ऊपर पूर्व-पश्चिम (क्षैतिज) दिशाओं में वायुमण्डलीय परिसंचरण तंत्र है।
- **संचरण तंत्र:** पश्चिमी प्रशांत महासागर में गर्म वायु ऊपर उठती है, ऊपरी स्तरों पर पूर्व की और संचरित होती है, पूर्वी प्रशांत में अवतलन होता है और व्यापारिक पवनों के रूप में फिर पश्चिम की ओर संचरित होती है।
- **प्रभाव:** मानसून और शीतकालीन विसंगतियों/असंबद्धता सहित वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करता है।

#### हैडली परिसंचरण तंत्र

- **प्रकार:** यह उत्तर-दक्षिण (देशांतर) वायुमण्डलीय परिसंचरण तंत्र है।
- **संचरण तंत्र:** विषुवत वृत्त के निकट गर्म वायु ऊपर उठती है, ऊपरी स्तरों पर उच्च अक्षांशों की ओर संचरित होती है, लगभग 30 अक्षांश पर अवतलित होती है और सतह पर पुन: विषुवत की ओर उन्मुख होती है।
- **प्रभाव:** उष्मा का पुनर्वितरण, व्यापारिक पवनों, उष्ण कटिबंधीय मरुस्थल, उष्ण कटिबंधीय मानसून। वर्षा प्रणाली को प्रभावित करती है। 0o से 30/35o अक्षांशों के मध्य इसका प्रभाव सर्वाधिक दृष्टिगत होता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# विज्ञान प्रौद्योगिकी

## स्वस्तिक पोर्टल (SVASTIK )

### चर्चा में क्यों?

- 14 जनवरी, 2026 को CSIR - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान ने अपना 5वाँ स्थापना दिवस मनाया।
- इस अवसर पर स्वस्तिक पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

### मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत:** 14 जनवरी, 2026 (मूल रूप से 25 अगस्त, 2021)
- **स्वस्तिक पोर्टल:** वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित सामाजिक पारंपरिक ज्ञान (scientifically validated Societal Traditional knowledge)
- **उद्देश्य:** भारत के वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित पारंपरिक ज्ञान को समाज तक पहुँचाना।
- इस ज्ञान का प्रसार स्वास्तिक पोर्टल/चैनलों के माध्यम से अंग्रेजी और 19 भारतीय भाषाओं के साथ-साथ 5 विदेशी भाषाओं में किया जा रहा है।
- **महत्त्व :** यह वेब पोर्टल न केवल सभी स्वास्तिक सामग्री को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएगा, बल्कि देश के वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित पारंपरिक ज्ञान के साथ विभिन्न हितधारकों की पहुँच, सुगमता और निरंतर जुड़ाव को भी मजबूत करेगा।
- **कार्यान्वयन:** CSIR-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (NISCPR)

**विशेषताएँ:**

1. डिजिटल हब
2. बहुभाषी पहुँच
3. केंद्रीकृत भंडार


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

### CSER:

- अग्रणी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित अनुसंधान व संगठन।
- यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत् पंजीकृत एक सोसाइटी है।

### संरचना:

1. **अध्यक्ष :** भारत के राष्ट्रपति (पदेन)
2. **उपाध्यक्ष:** 'केन्द्रीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री (पदेन)

### कार्यकाल :

- 3 वर्ष (सदस्यों का)


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# ग्रीन वाल्ड सीमा

## चर्चा में क्यों?

- चीन के ईस्ट फ्यूजन रिएक्टर ने ग्रीनवाल्ड सीमा से 65% अधिक स्थिर प्लाज्मा घनत्व प्राप्त कर लिया है, जो परमाणु संलयन अनुसंधान में लंबे समय से चली आ रही एक बाधा है।

## मुख्य बिन्दु:

- परिचय: 'ग्रीनवाल्ड सीमा एक टोकामाक (संलयन रिएक्टर) में प्लाज्मा के लिए एक सैद्धांतिक घनत्व सीमा है, जिसके आगे प्लाज्मा अस्थिर हो जाता है और ढह जाता है।
- यह अधिकतम सुरक्षित प्लाज्मा घनत्व को प्लाज्मा धारा और रिएक्टर के आकार से जोड़ता है।

### महत्त्व:

1. संलयन प्रतिक्रियाओं के लिए बहुत उच्च प्लाज्मा, घनत्व, तापमान और परिरोधन समय की आवश्यकता होती है।
2. ग्रीन वाल्ड सीमा के कारण रिएक्टरों को स्व स्थायी संलयन तक पहुँचने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं भरा जा सकता था।

### प्रमुख विशेषताएँ:

1. **टोकामाक विशिष्ट सीमा:** ग्रीन वाल्ड सीमा डोनट के आकार के चुंबकीय संलयन रिएक्टरों पर लागू होती है, जहाँ मजबूत चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके प्लाज्मा को सीमित किया जाता है।
2. **स्थिरता सीमा:** इस सीमा को पार करने पर प्लाज्मा अस्थिर होकर एरिक्टर को ब्लास्ट करने का खतरा होता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. **अधिक ऊर्जा उत्पादन :** प्लाज्मा घनत्व की अवस्था में परमाणुओं में अधिक टक्कर के संलयन की दर और ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि होती है।

- चीन के ईस्ट रिएक्टर ने स्थिरता बनाए रखते हुए ग्रीन वाल्ड सीमा का 1.3 -1.65 गुना हासिल किया।
- **उपलब्धि का कारण:** डायवर्टर को ठंडा करके और टंगस्टन की अशुद्धियों को कम करके ऐसा किया जाता है, जिससे स्वच्छ और सहान प्लाज्मा प्राप्त होता है।
- यह प्लाज्मा-दीवार स्व-संगठन सिद्धांत की पुष्टि करता है।

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:**

**टोकामाड:**

- टोकामाक अत्यन्त गर्म प्लाज्मा बनाकर और चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग कर इसे संघनित कर संलयन को संभव बनाती है।

**कार्यप्रणाली:**

1. **प्लाज्मा :** इसकी शुरुआत गैस से होती है जो आयनित होकर प्लाज्मा में परिवर्तित हो जाती है, जिसमें स्वतंत्र व गतिशील इलेक्ट्रॉन व आयन होते हैं।
2. **चुंबकीय क्षेत्र:** शक्तिशाली चुंबक दो मुख्य चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करते हैं, टोरॉयडल क्षेत्र (टोरस के चारों ओर घुमाने वाला) व पोलॉयडल क्षेत्र (पार करने वाला)।
3. **परिरोधन:** आवेशित कण चुंबकीय क्षेत्र रेखाओं के अनुदिश दीवारों से टकराएँ बिना सर्पिलाकार गति करते हैं इससे प्लाज्मा भंवर में फँस जाती है।
4. **तापन प्रणालियाँ:** संलयन प्रतिक्रियाओं हेतु प्लाज्मा को 150 मिलियन डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान तक गर्म करने के लिए विभिन्न विद्युत चुंबकीय तरंगों और कण बीमों को लक्षित कर संलयन कराया जाता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

## परिपूर्ण मेडिक्लेम आयुष बीमा योजना

### चर्चा में क्यों?

- वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएँ विभाग (DFS) ने CGHS (स्वास्थ्य सेवा) लाभार्थियों लिए परिपूर्ण मेडिक्लेम आयुष बीमा योजना की शुरुआत की है।
- यह योजना कैशलेस सुविधा, आधुनिक उपचार और अस्पतालों के व्यापक नेटवर्कतक पहुँच प्रदान करती है।

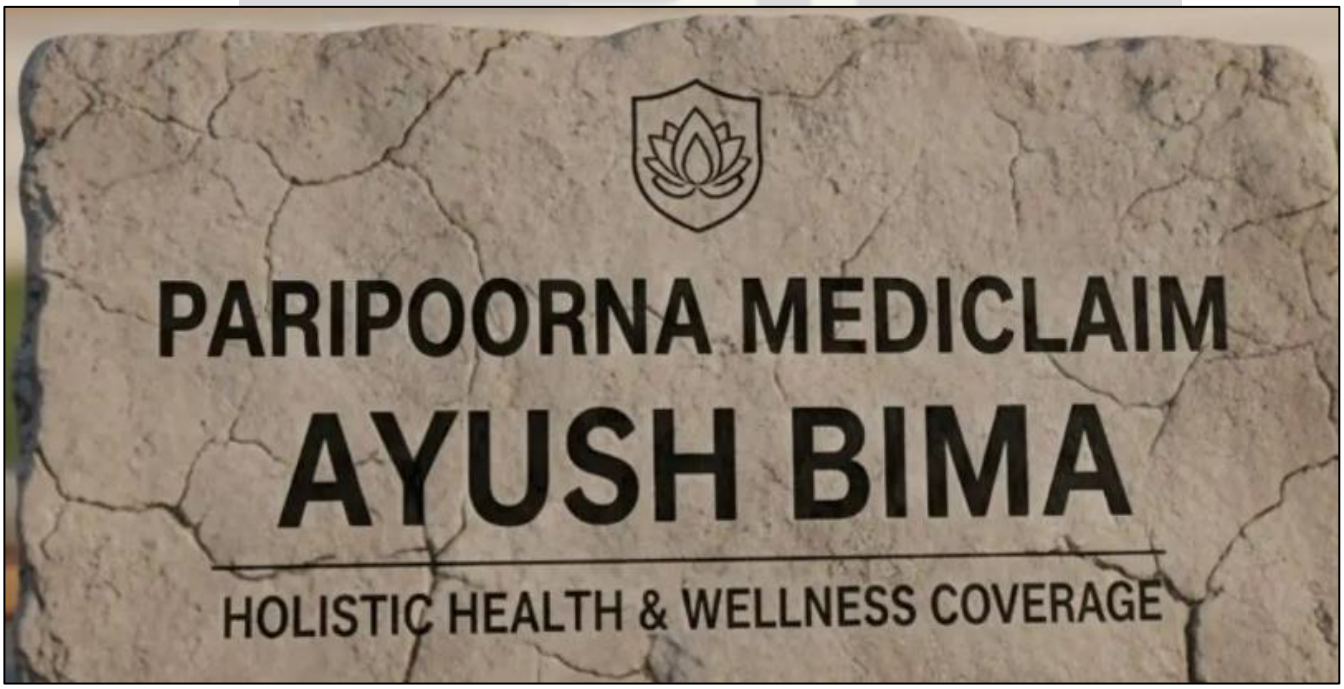


### मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत:** 14 जनवरी, 2026
- **मंत्रालय :** वित्त मंत्रालय के अन्तर्गत वित्तीय सेवा विभाग द्वारा।
- **पात्रता :** यह पॉलिसी विशेष रूप से CGHS लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है।
- **कवरेज :** इसमें प्रति पॉलिसी अधिकतम 6 सदस्य हो सकते हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह भारत में भर्ती होने पर अतिपूर्ति आधारित कवरेज प्रदान करती है, जिसमें 10 लाख या ₹20 लाख के बीमा राशि विकल्प उपलब्ध है।
- इस उत्पाद में सह-भुगतान घटक शामिल हैं, जिससे लाभार्थियों को बीमा कंपनी और ग्राहकों के मध्य 70 : 30 या 50 : 50 के को-शेयरिंग का विकल्प चुनने की सुविधा मिलती है।

**मुख्य विशेषताएँ: -**

1. सामान्य कक्ष और ICU के लिए प्रतिदिन का किराया बीमा राशि का 1% और 2% तक सीमित है।
2. अस्पताल में भर्ती होने से पहले 30 दिनों और अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद 60 दिवस का कवरेज उपलब्ध है।
3. अस्पताल में भर्ती होने पर आयुष उपचार बीमा राशि के 100% तक कवर किया जाता है।
4. आधुनिक उपचार बीमा राशि के 25% तक कवर किया जाता है, साथ ही 100% कवरेज के लिए एक वैकल्पिक राइडर भी उपलब्ध है।
5. प्रत्येक दावा मुक्त वर्ष के लिए 10% का संचयी बोनस, बीमा राशि के अधिकतम 100% तक।
6. नियमित पॉलिसी की तुलना में, यह 70 : 30 और 50 : 50 प्रीमियम को-शेयरिंग के लिए क्रमश: 28% और 42% की छूट पर उपलब्ध होंगी।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# आर्थिक परिदृश्य

## राष्ट्रीय उद्यमिता अभियान

### चर्चा में क्यों?

- ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 12 जनवरी, 2026 को राष्ट्रीय उद्यमिता अभियान का शुभारंभ किया।

### मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत :** 12 जनवरी, 2026 को ग्रामीण विकास विभाग द्वारा।
- **उद्देश्य:** उद्यम प्रोत्साहन के लिए 50 हजार सामुदायिक संसाधन प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करना और दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत् 50 लाख स्वयं सहायता समूह सदस्यों को उद्यम विकास प्रशिक्षण देना।
- मंत्रालय ने कम से कम 3 करोड़ स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों को लखपति दीदियाँ बनाने का संकल्प लिया हैं, जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रुपये या उससे अधिक होगी। इस लक्ष्य को पूरा करने हेतु इस अभियान की शुरुआत की गई है।

**ग्रामीण उद्यमिता का महत्त्व :**

1. **महिला सशक्तीकरण:** उद्यमिता में लैंगिक अंतराल को समाप्त करने से वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हो सकती है।
2. **गरीबी उन्मुलन व सामाजिक गतिशीलता :** SBI रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2019 से 2024 के मध्य 65% ग्रामीण स्वयं सहायता समूह सदस्यों की सापेक्ष आय में वृद्धि हुई है।
3. **आय का विविधीकरण:** महिलाएँ ग्रामीण आय का दो तिहाई हिस्सा उत्पन्न करती है तथा अब महिलाएँ पारंपरिक कृषि के साथ गैर-कृषि गतिविधियों में भी प्रगतिरत है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:**

**दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM):**

- **मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय
- **शुरुआत:** NRLM 'स्वर्ण जंयती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY) का पुनर्गठित संस्करण, वर्ष 2016 में NRLM का नाम परिवर्तित कर DAY- NRLM कर दिया गया।
- **उद्देश्य:** गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण आजीविका मिशन है। जो अधिकारों, पात्रताओं, लोक सेवाओं, वित्त और कौशल विकास तक पहुँच की सुविधा प्रदान करता है।
- **कवरेज:** 7 करोड़ ग्रामीण गरीब परिवार एवं महिला केन्द्रित स्वयं सहायता समूह और उनकी संघीय संस्थाएँ।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR